Gazettes & Debates Section
Parliament Library Building
Room No. FB-025
Block 'G'
Acc. No. 25119
Dated 21.11.2014

THE PARLIAMENTARY DEBATES

(Part I—Questions and Answers)

OFFICIAL REPORT

HOUSE OF THE PEOPLE

Thursday, 5th March, 1953.

The House met at Two of the Clock

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

RESEARCHES IN SOIL STABILISATION

*517. **Shri M. L. Dwivedi:** Will the Minister of **Natural Resources and Scientific Research** be pleased to state:

(a) the steps taken by Government to popularise the results of researches carried out at the Central Building Research Institute, Roorkee, the Karnal Stabilised Research Centre, Karnal and similar other institutions throughout the country in the direction of utilising the processes of soil stabilisation for various purposes;

(b) whether the researches are helpful for Government building purposes in any way;

(c) whether the processes will prove of any utility in helping the Industrial Housing Scheme of the Government of India; and

(d) whether the lime-sludge or soil stabiliser has proved to be practical in any other locality other than Roorkee?

The Deputy Minister of Natural Resources and Scientific Research (Shri K. D. Malaviya): (a) to (d). A statement giving the information obtained so far is laid on the Table of the House [*See* Appendix IV, annexure No. 22]

More information is being collected and a statement giving further information received will also be placed on the Table of the House.

श्री ऐम० ऐल० द्विवेदी : क्या माननीय मंत्री महोदय बतलाने की कृपा करेंगे कि जो स्टेटमट दिया गया है उस में यह बतलाया गया है कि कई जगहों पर अनुसन्धान किये जा रहे हैं और ऐक्सपेरीमेंट किये जा रहे हैं, तो यह अनुसन्धान कब तक कामयाब हो जावेंगे और इस दिशा में कब काम जारी हो जायेगा ?

श्री के० डी० मालवीय : इन अनुसन्धानों के बारे में जो रिपोर्ट अभी तक मालूम हुई है उस से यह अनुमान किया जा सकता है कि जहां तक सोइल स्टैबीलाइजेशन का सम्बन्ध है उस से ऐसी जगहों पर तो सस्ते मकान बनाये जा सकते हैं जहां पर कि वर्षा कम होती है। बाक़ी और जगहों के बारे में अभी ठीक तौर से कोई परिणाम नहीं निकाला जा सकता।

श्री ऐम० ऐल० द्विवेदी : क्या माननीय मंत्री बतलाने की कृपा करेंगे कि जिन क्षेत्रों में यह रिसर्च स्टेशन स्थित हैं, जैसे रुड़की और करनाल में और जहां पर ऐसे मकान सोइल स्टेबीलाइजेशन से बनाये जा रहे हैं और उन को दो तीन साल तक वाच भी किया जा चुका है और मालूम हुआ है कि वह कामयाब हुए हैं तो अब क्यों इस दिशा में और जगहों पर काम शुरू नहीं किया गया है ?

श्री के० डी० मालवीय : सोइल स्टैबीलाइजेशन क्रिया द्वारा मिट्टी का इस्तेमाल करनाल में सड़कें बनाने के काम में भी हुआ है।

रुड़की में स्टैबीलाइजेशन सोइल पर और भी रिसर्च हो रही है। इन मकानों के बारे में जो ज़गह जगह बनाये गये हैं अभी कोई आखरी राय नहीं दी जा सकती।

डा० सुरेश चन्द्र : क्या मंत्री महोदय बता सकते हैं कि इन अनुसन्धानों के बारे में बाहर से कोई विशेषज्ञों को बुलाने की सोच हो रही है ?

श्री के० डी० मालवीय : जी नहीं। इस समय तो कोई ऐसा प्रस्ताव गवर्नमेंट के सामने नहीं है।

श्री ऐम० ऐल० द्विवेदी : क्या मंत्री महोदय बतलायेंगे कि रेलवे विभाग में जो बहुत सा कोयला खराब जाता है, कोल डस्ट वगैरह, उसको भी इस्तेमाल करने पर विचार किया गया है ?

श्री के० डी० मालवीय : जी, हां। जो वेस्ट मैटीरियल आम तौर पर पाया जाता है उस के इस्तेमाल करने के लिये जो अनुसन्धान किये गये हैं उन का परिणाम यह निकला है कि जहां पर यह सामान पाया जाता है उस के आस पास ही उस का इस्तेमाल हो सकता है। अधिक दूर ले जाने में उस का खर्चा बढ़ जाता है, इस लिये उस का ठीक इस्तेमाल नहीं हो सकता।

COMMUNISTS IN TELANGANA

*518. **Shri S. C. Samanta:** (a) Will the Minister of States be pleased to state when and where the first unconditional surrender of arms was made by the Telangana Communists?

(b) Has any subsequent surrender of arms taken place after that?

(c) If so, when and where, by whom and how many arms have been surrendered?

The Minister of Home Affairs and States (Dr. Katju): (a) On the 1st November 1952, near the village Rangapuram in the Hyderabad District.

(b) Yes.

(c) A statement giving the details of the surrender of arms is placed on the Table of the House. [*See* Appendix IV, annexure No. 23]

Shri P. T. Chacko: May I know whether these surrendered arms have given any clue as regards the question from where they got these weapons of liberation?

Dr. Katju: I have no information on that point.

Shri S. C. Samanta: May I know whether Government have any probable estimation as to the amount of arms that are still possessed by the communists there?

Dr. Katju: That will be a purely speculative statement on my part. It was said that there might be 1500 or 2000, but I cannot say definitely.

श्री रघुनाथ सिंह : यह सब आर्म्स हिन्दुस्तान में बने हुए हैं या बाहर के बने हुए हैं ?

डा० काटजू : बाहर के भी और अन्दर के भी।

सरदार ए० ऐस० सहगल : क्या सरकार इस बात की तहक़ीक़ात करेगी कि वह जितने भी आर्म्स हैं वे कहां कहां के बने हुए हैं ?

डा० काटजू : जरूर, मैं हैदराबाद गवर्नमेंट को यह कहूंगा।

श्री हेडा : क्या यह बात सच नहीं है कि जो हथियार मिले हैं उन में से अक्सर ऐसे हैं कि जो किसी काम के नहीं थे, यानी काम आने वाले नहीं थे ?

डा० काटजू : मैं भी उन्हें देखने हैदराबाद गया था। यह कहना बड़ा मुश्किल है कि आया वे बिल्कुल बेकार हैं या कुछ काम में आ सकते हैं, मगर हैं थोड़े बहुत।

Dr. Suresh Chandra: From the statement we find that most of these arms or guns were surrendered by the P. D. F. M. L. A.'s of Hyderabad. Have the Government made any further efforts to find out whether they still have more guns with them?